Which five things are essential in solving the problems of life according to Chanakya?

(ख) हितोपदेश के अनुसार विद्या के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of knowledge according to Hitopadesha.

(ग) "कः परः प्रियवादिनाम्" का क्या तात्पर्य है ?

What is the meaning of "कः परः प्रियवादिनाम्"?

(घ) सुहृतभेद के अनुसार "षड् व्याघाता" कौन-कौन हैं?

According to Suhritabhed, who are "षड् व्याघाता"?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

Write short note any **two** of the following :

(क) मित्रलाभ (Mitralabh)

(ख) विष्णुशर्मा (Vishnusharma)

(ग) नारायण पण्डित (Narayan pandit)

(घ) चाणक्यनीति (Chankyaneeti)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5429 **H**

Unique Paper Code : 2131001001

Name of the Paper : Advance Neeti Literature In Sanskrit (Sanskrit A)

Name of the Course : **Common Prog. Group : AEC**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न पत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15+15=30)

Answer any **two** of the following :

(क) नीतिकाव्य से आप क्या समझते है? किन्हीं दो संस्कृत नीतिकाव्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

What do you understand by Nitikavya? Give a brief introduction of any two Sanskrit Nitikavya.

(ख) हितोपदेश के अनुसार **"उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः"** की समीक्षा कीजिए ।

Review **"उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः"** according to Hitopadesha.

(ग) हितोपदेश के अनुसार सच्चे मित्र की प्रशंसा पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the praise of a true friend according to Hitopadesh.

(घ) चाणक्य के इस कथन को स्पष्ट कीजिए- **"यो ध्रुवाणि परित्यज्य ह्यध्रुवं परिषेवते। ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति ह्यध्रुवं नष्टमेव तत्"।**

Explain this statement of Chanakya **"यो ध्रुवाणि परित्यज्य ह्यध्रुवं परिषेवते। ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति ह्यध्रुवं नष्टमेव तत्"।**

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (10+10=20)

Write short answer any **two** of the following :

(क) चाणक्य के अनुसार जीवन की समस्याओं के समाधान में किन पाँच वस्तुओं की महती आवश्यकता है?